हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, सोमवार 6 अप्रैल 2026

06 नाराज किसान... 6 अप्रैल को नौ तहसीलों में...

07 ओलावृष्टि के बाद खेत, खलिहान का नेताओं ने...

खबर संक्षेप

प्रदेश महिला कांग्रेस में नियुक्तियों पर जिला कांग्रेस कमेटी ने बधाई दी

सागर। मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रीना बोरासी ने अपनी कार्यकारिणी का गठन किया है। जिसमें सागर जिले से सीमा कमल चौधरी को सचिव पद पर नियुक्त किया है। साथ ही जिले से रेखा सोनी एवं विमला अहिरवार बीना को सयुंक्त सचिव बनाया गया है। नियुक्तियों पर कांग्रेस जनों ने बधाई दी है। नव नियुक्त सचिव सीमा कमल चौधरी पार्षद ने अपनी नियुक्ति पर प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बोरासी एवं जिला कांग्रेस कमेटी सागर ग्रामीण अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मोहासा, पूर्व मंत्री सुरेंद्र चौधरी एवं कांग्रेस नेता आर आर पाराशर का प्रकट किया है। नवनियुक्त पदाधिकारी को प्रदेश महासचिव रेखा चौधरी, जगदीश यादव, संगठन प्रभारी महासचिव आशीष ज्योतिषी, अभिषेक गौर, दीपक दुबे जतिन चौकसे देवेंद्र कुर्मी प्रदीप पप्पू गुप्ता विजय साहू सिंटू कटारे धन सिंह अहिरवार गुड्डू रैकवार संजय रोहिदास, संगीता अजय अहिरवार, मनोज रैकवार राजा बुंदेला संदीप चौधरी मनोज राय फिल्म अभिनेता जय पाराशर एवं समस्त कांग्रेस जनों ने हार्दिक बधाई दी है।

राज्य स्तरीय पदक विजेता खिलाड़ियों को मिलेगी खेलवृत्ति

सागर। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग सागर द्वारा पात्र खिलाड़ियों से खेलवृत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। ऐसे खिलाड़ी जिन्होंने 01 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच मान्यता प्राप्त खेल संघों द्वारा आयोजित अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय या तृतीय स्थान प्राप्त किया हो, वे इस योजना के लिए पात्र होंगे। साथ ही, आवेदक की आयु 01 अप्रैल 2026 को 19 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। विभाग द्वारा जानकारी दी गई है कि पात्र खिलाड़ियों को मध्यप्रदेश शासन के नियम के तहत खेलवृत्ति स्वीकृत की जाएगी। हालांकि, जिन खिलाड़ियों को इस योजना के अंतर्गत पूर्व में दो बार खेलवृत्ति प्राप्त हो चुकी है, वे इस बार पात्र नहीं होंगे। इच्छुक खिलाड़ी अपना आवेदन पत्र 31 मई 2026 तक कार्यालय जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी, खेल परिसर सागर में जमा कर सकते हैं। आवेदन के साथ मूल निवास प्रमाण पत्र, राज्य स्तरीय पदक प्राप्ति प्रमाण पत्र (अधिकृत प्रतियोगिता), जन्म प्रमाण पत्र या 10वीं की अंकसूची, आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा। साथ ही, प्रतियोगिता में भाग लेने एवं पदक अर्जित करने के प्रमाण पत्र का सत्यापन संबंधित राज्य खेल संघ से कराना भी आवश्यक है। आवेदन पत्र का प्रारूप एवं अन्य जानकारी खेल परिसर कार्यालय सागर से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है। निर्धारित अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

ग्राम पनारी में पुनर्वास व्यवस्थापन का निरीक्षण

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में बण्डा स्थित उल्दन बांध परियोजना के समस्त हितधारकों एवं प्रभावितों को उनकी मुआवजा राशि का वितरण शीघ्रता से किया जा रहा है एवं डूब क्षेत्र में आने वाले प्रभावितों से लगातार अपील की जा रही है कि वह परियोजना अंतरंग स्थापित किए जा रहे पुनर्वास केंद्रों में शीघ्रता स्थानांतरित हो। कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर एमडी केवीएस चौधरी, एसडीएम आरती यादव संबंधित अधिकारी अनिरुद्ध आनंद द्वारा बंडा परियोजना के अंतर्गत ग्राम पनारी में पुनर्वास व्यवस्थापन की व्यवस्था हेतु निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विस्थापन एरिया में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं लगातार मॉनिटर करने के निर्देश दिए संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

जन सहयोग से चल रही सौन्दर्यीकरण की मुहिम की अनुमति बनी वजह

झुनकू वार्ड स्थित मुक्तिधाम में प्रशासन ने निर्माण कार्य पर जेसीबी चलाई, नागरिकों में असंतोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवरीकलाँ

देवरी नगर के झुनकू वार्ड स्थित मुक्तिधाम में शनिवार दोपहर दल बल के साथ पहुँचे प्रशासनिक अमले ने मुक्तिधाम में जन सहयोग से निर्मित कराये जा रहे गार्डरूम, अस्थि संचय कक्ष एवं लकड़ी भंडार कक्ष के फाउन्डेशन को जेसीबी से तोड़ दिया गया। उक्त मामले में भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं झुनकू वार्ड पार्षद भारतेन्दु सिंह द्वारा मुख्य नगरपालिका अधिकारी को लिखित शिकायत की गई थी। जिसके बाद हरकत में आये प्रशासन द्वारा उक्त कार्रवाई को अंजाम दिया गया। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि सरकारी भूमि पर प्रशासन की अनुमति के बगैर निर्माण कार्य कराया जा रहा था। घटनाक्रम को लेकर नागरिकों में असंतोष व्याप्त है।

विदित हो कि देवरी नगर के मुक्तिधामों की बदहाल स्थिति को सुधारने और उनमें सौन्दर्यीकरण कराये जाने को लेकर नगरपालिका अध्यक्ष पति अलकेश जैन एवं उनके साथियों द्वारा जन सहयोग से कार्य कराये जा रहे है। विगत 2 वर्षो से चल रहे इन कार्यो में नगर के कौशल किशोर मुक्तिधाम, तिलक वार्ड मुक्तिधाम एवं झुनकू वार्ड संगम घाट स्थित मुक्तिधामों में साफ-सफाई, वृक्षारोपण, रंग रोगन सहित नागरिक सुविधा एवं सौन्दर्यीकरण के अन्य कार्य कराये गये है, जिन्हे नागरिकों द्वारा सराहा गया है। इस कार्य में जुड़े नागरिक इसे स्वच्छ भारत अभियान से प्रेरित बताया जा रहा है।

झुनकू वार्ड स्थित मुक्तिधाम में चल रहे इन्ही कार्यो को लेकर भाजपा के मंडल अध्यक्ष एवं झुनकू वार्ड पार्षद भारतेन्दु मोन्टू सिंह राजपूत द्वारा विगत 2 अप्रैल को मुख्य नगरपालिका अधिकारी को अपने लेटर हेड पर लिखित शिकायत कर उसे अवैध कब्जा एवं अवैध निर्माण बताया गया था एवं कार्रवाई की मांग की गई थी। जिसके बाद प्रशासन द्वारा 04 अप्रैल को दोपहर लगभग 02 बजे आनन फानन में कार्रवाई की गई, कार्रवाई के दौरान एसडीएम मुनव्वर खान, मुख्य नगरपालिका अधिकारी केबीएस बघेल, तहसीलदार संगीतारानी चौरसिया सहित राजस्व एवं नगरपालिका अमला मौजूद था।

इस दौरान उपस्थित जन भागदीदारी समिति के सदस्यों प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध किया गया, उनके द्वारा बताया गया कि उक्त संबंध में उनके द्वारा विगत 04 फरवरी को एसडीएम देवरी को लिखित सूचना देकर सौन्दर्यीकरण कार्य आरंभ कराया गया था। परंतु इसके बाद भी जन कल्याण से जुड़े इस मामले में न तो स्थानीय प्रशासन एवं नगरपालिका अधिकारियों द्वारा कोई सहयोग किया गया न ही किसी प्रकार का मार्गदर्शन दिया गया। इसके विपरीत काम को रोकने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाये जा रहे है।

पहले कार्रवाई बाद में दिया नोटिस

तहसीलदार देवरी द्वारा मुक्तिधाम की सरकारी भूमि पर चल रहे निर्माण कार्य को हटाये जाने के बाद नगरपालिका अध्यक्ष पति अलकेश जैन एवं संगम मुक्तेश्वर महादेव समिति के नाम से नोटिस जारी किया गया है। भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 248 के तहत जारी इस नोटिस में बताया गया है कि झुनकू वार्ड में शमशान के लिए आरक्षित भूमि पर अतिक्रमण कर आपके द्वारा चबूतरा निर्माण कराया गया है। ज्ञापन में निर्देशित किया गया कि उक्त निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाई जाये एवं सक्षम प्राधिकारी के स्वीकृति उपलब्ध कराई जाये।

घटनाक्रम को लेकर नागरिकों में असंतोष

प्रशासन द्वारा आनन फानन में की गई कार्रवाई से उपजी स्थितियों को लेकर नागरिकों में असंतोष व्याप्त है, पूरे घटनाक्रम को लेकर नगर में कई प्रकार की चर्चाये की जा रही है।

इनका कहना है

नगरपालिका अध्यक्ष पति अलकेश जैन का कहना है कि प्रशासन द्वारा दबाब में विसंगतिपूर्ण कार्यवाही की गई है, जिसकी कोई पूर्व सूचना नही दी गई। देवरी नगर में मुक्तिधाम गंदगी और अव्यवस्था का शिकार थे जिनके सौन्दर्यीकरण के लिए नागरिकों द्वारा स्वयं की दान राशि और श्रमदान से कार्य किया जा रहा है जिससे नगर के 3 मुक्तिधाम साथ सुथरे और व्यवस्थित हो चुके है। प्रशासन द्वारा राजैतिक इशारे पर तोड़ा गया जो दुर्भाग्यपूर्ण है। जनकल्याण के कार्य में गंदी राजनीति नही होना चाहिए।

कार्रवाई के संबंध में अनुविभागीय दण्डाधिकारी मुनव्वर खान का कहना है कि उक्त भूमि शासन द्वारा शमशान के प्रायोजन के लिए आरक्षित की गई है, शासकीय भूमि पर बिना अनुमति निर्माण कार्य किया जाना अवैधानिक है, प्रशासन द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

शराब दुकान के विरोध में महिलाओं का उग्र प्रदर्शन, दुकान में तोड़फोड़ कर आग लगाई

खुरई। नगर के खजऊ तलैया क्षेत्र में शराब दुकान खोलने को लेकर स्थानीय निवासियों का विरोध अब उग्र रूप ले चुका है। शनिवार शाम को क्षेत्र की महिलाओं ने सड़क पर तेल डालकर आग लगा दी और जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना है कि वे किसी भी कीमत पर यहां शराब दुकान नहीं खुलने देंगी। रहवासियों के अनुसार, पूर्व में भी कई बार प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर दुकान हटाने की मांग की गई थी, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। शनिवार को आक्रोश चरम पर पहुंच गया, वार्ड वासियों ने शराब दुकान में तोड़फोड़ कर दी। शराब की पेटी को बाहर फेंककर आग लगा दी। जिसकी सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार शिवमूर्ति सरल और थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। समझाइश के दौरान पुलिस से भी हल्की झड़प हुई। मामले में एक चर्चा यह भी रही कि पिछले तीन वर्षों से यहां दुकान संचालित थी, तब विरोध नहीं हुआ। अब वार्डवासी लामबंद होकर इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं। देर शाम तक चले इस हंगामे के कारण इलाके में तनाव की स्थिति बनी रही। ज्ञात हो कि इसके पूर्व इसी क्षेत्र में कुछ दिनों से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

शहर कांग्रेस कार्यालय में मनाई गई बाबू जगजीवन राम की जयंती

सागर। जिला शहर कांग्रेस कार्यालय में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वतंत्रता सेनानी बाबू जगजीवन राम की जयंती का आयोजन किया गया जहां सभी कांग्रेस जनों ने उन्हें अपने श्रद्धांजलि उनकी जयंती पर भेंट की । इस अवसर पर जिला शहर कांग्रेस के अध्यक्ष महेश जाटव ने कहा कि बाबू जगजीवन राम का जन्म 5 अप्रैल 1908 को हुआ था लोग प्यारे बाबूजी कहकर बुलाया करते थे। उन्होंने देश और समाज में अलग पहचान बनाई वो एक कुशल प्रशासक के रूप में पहचाने जाते थे। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू की सरकार में श्रममंत्री रहते हुए न्यूनतम श्रम अधिनियम तथा कर्मचारी भविष्य निधि जैसी कानून बनाए वह एक कुशल राजनेता और सामाजिक न्याय की योद्धा के रूप में पहचाने जाते थे। रामकुमार पचौरी संगठन महासचिव ने कहा कि उन्होंने बनारस और कोलकाता विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। उन्होंने जो जन चेतना की अलख जगाई आज हम सभी को उनके बताए मार्ग पर चलने की आवश्यकता हैं। बैठक के अंत में सभी कांग्रेसजनों ने कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के नवनियुक्त शहर के अध्यक्ष अरविंद बंटी पंथी पुष्पहारो से स्वागत किया एवं शहर अध्यक्ष महेश जाटव ने कहा कि वह अनुसूचित जाति की आवाज को बुलंद करें शहर कांग्रेस उनके साथ है। महेश जाटव ने कहा कि यह पद अरविंद बंटी भाई पंथी की मेहनत और लगन को देखते हुए मिला है जिसमें वह खरा उतरंगे ऐसी आशा और विश्वास है। इस अवसर पर प्रदीप गुप्ता, सेवा दल अध्यक्ष सिन्टू कटारे, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हेमराज रजक, वीरेंद्र राजे, नरेंद्र मिश्रा, आईटी सेल के अध्यक्ष निलेश अहिरवार, जन समस्या निवारण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष महेश अहिरवार, युवा कांग्रेस अध्यक्ष सागर साहू, किरण लता सोनी, ज्योति मालैया, अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष बंटी कोरी, संजय जैन, बाबू मछंदर, अंकुर यादव, संजय यादव, प्रशांत, खाटू सोनी आदि उपस्थित थे ।

विचार से विकास तक भाजपा की ऐतिहासिक यात्राः भूपेन्द्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि 6 अप्रैल केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र में एक सशक्त वैचारिक प्रवाह के रूप में स्थापित होने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भाजपा का स्थापना दिवस उस दीर्घ यात्रा का स्मरण कराता है, जिसकी जड़ें स्वतंत्रता के बाद के उन वर्षों में मिलती हैं, जब देश अपनी राजनीतिक और सांस्कृतिक दिशा को आकार दे रहा था और यही यात्रा आज विचारधारा से विकास तक एक व्यापक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले चुकी है, जिसने संगठन, सिद्धांत और राष्ट्रहित को केंद्र में रखकर अपनी अलग पहचान बनाई है। भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि इस यात्रा की वैचारिक प्रेरणा का मूल स्रोत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रहा है, जिसने समाज जीवन में संगठन, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना विकसित की और इसी पृष्ठभूमि में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा भारतीय जनसंघ की स्थापना की गई, जिसके बाद पंडित दीन दयाल उपाध्याय ने एकात्म मानव वाद के माध्यम से इस विचारधारा

को दार्शनिक गहराई प्रदान की तथा अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं ने इसे व्यापक जनस्वीकृति दिला कर समाज के हर वर्ग तक पहुँचाया, जिससे यह विचार एक सशक्त राष्ट्रीय धारा के रूप में स्थापित हो सका।उन्होंने कहा कि सन 1980 में यही वैचारिक यात्रा भारतीय जनता पार्टी के रूप में संगठित हुई, जो केवल एक राजनीतिक दल का गठन नहीं था, बल्कि एक दीर्घकालिक विचार की परिपक्व अभिव्यक्ति थी और प्रारंभिक संघर्षों तथा विपरीत परिस्थितियों के बावजूद इस विचारधारा ने कभी अपने मूल सिद्धांतों से समझौता नहीं किया, बल्कि आपातकाल के समय लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए डटकर खड़े रहकर अपनी प्रतिबद्धता का प्रमाण दिया, जिसने इस विचारधारा को और अधिक मजबूत बनाया। समय के साथ यह यात्रा निरंतर विस्तार पाती गई और आज भारतीय जनता पार्टी विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठनों में गिनी जाती है, जिसकी शक्ति देश के विभिन्न राज्यों में बढ़ती उपस्थिति, समाज के हर वर्ग तक पहुँच और बूथ स्तर तक मजबूत संगठन में दिखाई देती है तथा यही वह विशेषता है, जिसने भाजपा को अन्य दलों से अलग स्थापित किया है, जहाँ संगठन को हमेशा सत्ता से ऊपर रखा गया है और कार्यकर्ता ही इसकी असली ताकत है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में इस यात्रा को अभूतपूर्व गति मिली है और उन्होंने स्वयं को एक कार्यकर्ता बताते हुए संगठन की सर्वोच्चता को स्थापित किया है, वहीं भाजपा की परंपरा भी यही रही है कि अध्यक्ष बदलते हैं, लेकिन आदर्श नहीं बदलते और नेतृत्व बदलता है, पर दिशा नहीं बदलती, जो इस संगठन की स्थिरता और निरंतरता का सबसे बड़ा आधार है। सिंह ने कहा कि संगठन को मजबूत आधार देने में अमित शाह की रणनीति अत्यंत महत्वपूर्ण रही है, जिन्होंने बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सशक्त कर संगठन को अभेद्य बनाया और उसे जमीनी स्तर तक विस्तार दिया, जिससे पार्टी की पकड़ समाज के हर वर्ग में मजबूत हुई और संगठनात्मक संरचना और अधिक प्रभावी बन सकी।

उन्होंने कहा कि भाजपा की मूल आत्मा 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' और 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के विचार में निहित है तथा पार्टी का मूल मंत्र 'अंत्योदय' है, जिसका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाना है और यही सोच पार्टी की नीतियों और योजनाओं में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, जिससे समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

नरवाई जलाने पर प्रशासन की सख्ती, एफआईआर दर्ज

सागर। जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं को लेकर प्रशासन ने सख़्त रुख़ अपनाया है। कलेक्टर संदीप जी आर के स्पष्ट निर्देश हैं कि इस प्रकार की घटना पर त्वरित कार्रवाई की जाए। इसी परिपेक्ष्य में खेतों के नरवाई जलने पर खुरई तहसील स्थित ग्राम टीहर में बृजेन्द्र सिंग लोधी, निहाल सिंह लोधी एवं दीपेश सिंह लोधी पर थाना खुरई में एफआईआर दर्ज की गईं। कलेक्टर ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे खेतों में नरवाई फसल की कटाई के बाद बचा अवशेष न जलाएं। नरवाई जलाने से न केवल वातावरण प्रदूषित होता है, बल्कि भूमि की उपजाऊ शक्ति भी कम हो जाती है। इसके अलावा इससे आसपास के इलाकों जंगल में आग लगने का भी खतरा बना रहता है। उन्होंने किसानों को नरवाई के निस्तारण के लिए वैकल्पिक उपाय जैसे हैप्पी सीडर, सुपर सीडर का उपयोग, जैविक खाद बनाने, मल्चर मशीन का उपयोग करने या कंपोस्टिंग विधि से अवशेषों को नष्ट करने की सलाह दी है।

सेवा जब अध्यात्म के साथ की जाए तो वह साधना बन जाती हैः प्रांताध्यक्ष अमित दुबे

सागर। सत्य साई संगठन आध्यात्मिक है पर इसमें सेवा शब्द जुड़ा हुआ है क्योंकि सेवा को साधना के रूप में किया जाता है। साधना शब्द सबके कल्याण से जुड़ा हुआ है। यह विचार संगठन के प्रांतीय साधना शिविर सेवा विभाग में प्रांताध्यक्ष अमित दुबे ने रविवार को वीसी के माध्यम से व्यक्त किए। श्री झूलेलाल मंदिर ट्रस्ट की सिंधी धर्मशाला में ध्वजारोहण के बाद प्रांतीय सेवा प्रभारी मुकुल बोचरे ने कहा कि सच्ची सेवा खुद को रूपांतरित करती है। हम सेवा करने लायक हैं तो मानव जन्म धन्य है। प्रांतीय सेवा प्रभारी महिला विंग की अनीता धाकड़ ने कहा कि साल में चार प्रशांति सेवा होती हैं तो हर समिति को कम से कम दस सेवादल तैयार रखना चाहिए। सेवा समझने का विषय है इसमें आनंद है, साधना है तब तो पिछले वर्ष ही मप्र से साढ़े चार हजार सेवादल ने प्रशांति निलयम में सेवा दी यह बात प्रांतीय सह सेवा प्रभारी चैतन्य पुरी गोस्वामी ने कह कर और सेवादल बढ़ाने का आहवान किया। प्रांतीय सह सेवा प्रभारी ओंकार तिवारी ने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को सेवा में भेजने का प्रयास सेवा प्रभारी करें। नारायण सेवा प्रभारी सीएम सिंह और शिल्पा पराड़कर ने कहा कि हम सोचें कि वर्षा किसने की, अन्न किसने उगाया तो क्या हम केवल भोजन दान कर सेवा नहीं कर सकते। जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा ने साई कनेक्ट आईडी के माध्यम से डेटा बेस मैनेजमेंट का प्रशिक्षण दिया। प्रांतीय ग्राम सेवा प्रभारी निक्की पुरी गोस्वामी, राजीव माथुर ने कहा कि गांव में सेवा का मतलब सड़क, बिजली देना नहीं वरन प्रेम का विस्तार है। इस दौरान आपदा प्रबंधन पर मनोज तिवारी और नीतू पटेल ने हर व्यक्ति को इसके गुर सीखने की बात कही।

शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

शहर की स्वच्छता के लिए सख्त हुए निगमायुक्त, गंदगी फैलाने वालों को नोटिस जारी कर चालानी कार्रवाई करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 को ध्यान में रखते हुए नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। निगमायुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा है कि शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम आयुक्त ने सभी जोन प्रभारियों को निर्देशित किया है कि शहर के प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थलों एवं कचरा फेंकने, सीएंडडी वेस्ट फैलाने तथा पोस्टर-पंपलेट लगाकर गंदगी करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध तत्काल नोटिस जारी कर चालानी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शहर की सुंदरता को प्रभावित करने वाले ऐसे कृत्य न केवल स्वच्छता के मानकों को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य के

लिए भी हानिकारक होते हैं। निगमायुक्त ने कहा कि नगर निगम द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं और नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसके बावजूद यदि कोई व्यक्ति नियमों की अनदेखी करता है और सार्वजनिक स्थलों को गंदा करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। निगमायुक्त द्वारा दिए गए निर्देश पर जोन प्रभारियों द्वारा कचऱा डालने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए नोटिस जारी किए गए। निगमायुक्त ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। सभी नागरिक अपने घरों एवं दुकानों से निकलने वाले कचरे को निर्धारित समय पर आने वाली कचरा गाड़ी में ही दें और सड़कों या सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने से बचें। इससे न केवल शहर स्वच्छ रहेगा, बल्कि स्वच्छ सर्वेक्षण में भी सागर शहर बेहतर प्रदर्शन कर सकेगा।

निगमायुक्त ने यह भी निर्देश दिए कि सार्वजनिक स्थलों पर अवैध रूप से पोस्टर-पंपलेट लगाने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए, ताकि शहर की दीवारों एवं संरचनाओं को साफ-सुथरा रखा जा सके। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं सुंदर सागर शहर का निर्माण सभी के सहयोग से ही संभव है। नागरिकों के सहयोग और प्रशासन की सक्रियता से शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाई जा सकती है।

मुस्कान अभियान में सफलता, पुलिस ने दिखाई फुर्ती, परिवार को मिली राहत

24 घंटे में खोजी बेटी, 48 घंटे में आरोपी सलाखों के पीछे

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में जिलेभर में संचालित मुस्कान अभियान के तहत पुलिस द्वारा गुम नाबालिकों की तलाश में लगातार तेज और संवेदनशील कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कोतवाली थाना पुलिस ने एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए महज 24 घंटे के भीतर गुम हुई नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया, वहीं 48 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया।

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में सभी थाना प्रभारियों को संभावित स्थानों पर सतत जांच, मुखबिर तंत्र को सक्रिय रखने और तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग के निर्देश दिए गए हैं। प्रकरणों की नियमित समीक्षा के चलते ही पुलिस को इस मामले में त्वरित सफलता मिली। थाना कोतवाली क्षेत्र में 3 अप्रैल को एक फरियादी द्वारा अपनी नाबालिक पुत्री के गुम होने की सूचना दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रविभूषण पाठक के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी विश्लेषण, साइबर सेल की मदद और लगातार प्रयासों के जरिए नाबालिका को 24 घंटे के भीतर सुरक्षित खोज लिया गया। आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया और मेडिकल परीक्षण के बाद बालिका को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली। विवेचना के दौरान मिले तथ्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराएं जोड़ी गईं। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जो पुलिस की सक्रियता और सख्त कार्रवाई का उदाहरण है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026 में मुस्कान अभियान के तहत अब तक 39 से अधिक गुम नाबालिकों को विभिन्न राज्यों और महानगरों से सुरक्षित बरामद कर उनके परिजनों से मिलाया जा चुका है। यह आंकड़ा टीकमगढ़ पुलिस की संवेदनशीलता, प्रतिबद्धता और प्रभावी कार्यप्रणाली को दर्शाता है।

इस सफलता में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रविभूषण पाठक के साथ सहायक उपनिरीक्षक सतीश चंद्र त्रिपाठी, प्रधान आरक्षक रतीराम, लक्ष्मण, आरक्षक आकाश, दीनदयाल, अमित एवं महिला आरक्षक कामिनी, रामसखी और सपना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम की तत्परता और समन्वय से ही यह कार्य संभव हो सका। पुलिस का स्पष्ट संदेश है कि हर नाबालिग की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और ऐसी संवेदनशील घटनाओं में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के माध्यम से ही आमजन का विश्वास कायम रखा जा सकता है।

नाराज किसान... 6 अप्रैल को नौ तहसीलों में देंगे एक साथ ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

जिले में गेहूं और मूंग की खरीदी में सरकार द्वारा दी जा रही तारीख पर तारीख को लेकर हो रही देरी, पराली जलाने के मामलों में किसानों पर दर्ज हो रहे प्रकरण तथा किसानों के कर्ज जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ ने बड़ा कदम उठाने का निर्णय लिया है। संघ द्वारा 6 अप्रैल को जिले की सभी नौ तहसीलों में एक साथ मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में गेहूं और मूंग की खरीदी की प्रक्रिया लगातार विलंब से चल रही है, जिससे किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि पहले तारीख घोषित की जाती है, फिर उसे आगे बढ़ा दिया जाता है, जिससे किसानों की आर्थिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। संघ ने स्पष्ट कहा है कि खरीदी को लेकर तारीख पर तारीख बढ़ाने का खेल अब नहीं चलेगा और समय पर खरीदी सुनिश्चित की जानी चाहिए। संघ ने पराली जलाने के मामलों में किसानों पर दर्ज हो रहे प्रकरणों को भी बड़ा मुद्दा बताया है। किसानों का कहना है कि कई बार मजबूरी में पराली जलानी पड़ती है, लेकिन प्रशासन सीधे केस दर्ज कर रहा है, जिससे किसान मानसिक और आर्थिक दबाव में आ रहे हैं। संघ ने मांग की है कि पराली जलाने के मामलों में दंडात्मक कार्रवाई के बजाय वैकल्पिक व्यवस्था और समाधान उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा किसानों के फसल ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 30 मार्च से बढ़ाकर 30 अप्रैल करने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई जा रही है।

गेहूं मूंग खरीदी, पराली व कर्ज तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ का अल्टीमेटम

किसान संघ का कहना है कि खरीदी में देरी के कारण किसानों को समय पर भुगतान नहीं मिल पा रहा है, ऐसे में कर्ज जमा करने की तिथि बढ़ाना आवश्यक है, ताकि किसान डिफाल्टर घोषित न हों। भारतीय किसान संघ ने चेतावनी दी है कि यदि किसानों की समस्याओं पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। 6 अप्रैल को तहसील स्तर पर होने वाला ज्ञापन कार्यक्रम किसानों की समस्याओं को लेकर एक बड़ा सामूहिक प्रदर्शन माना जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में किसान शामिल होंगे। संघ के पदाधिकारियों ने सभी किसानों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में तहसील मुख्यालय पहुंचकर ज्ञापन कार्यक्रम में शामिल हों, ताकि किसानों की आवाज शासन तक मजबूती से पहुंच सके। जिले की सभी नौ तहसीलों में एक साथ ज्ञापन सौंपने की रणनीति को किसान संघ की बड़ी संगठनात्मक ताकत के रूप में देखा जा रहा है।

आत्मचिंतन सत्र से पुलिस जनसेवा बनेगी अधिक प्रभावी व मानवीय

तनाव कम और बेहतर सेवा उद्देश्यपूर्ति को लेकर सभी थानों में हुआ सामूहिक ध्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के मार्गदर्शन में पुलिस कर्मियों के मानसिक, भावनात्मक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रदेशभर में विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में टीकमगढ़ पुलिस द्वारा सराहनीय पहल करते हुए नियमित साप्ताहिक ध्यान एवं आत्मचिंतन सत्रों की शुरुआत की गई है।

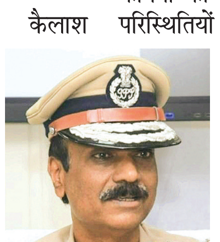

एसपी मनोहर सिंह मंडलोई के नेतृत्व में 5 अप्रैल को जिला मुख्यालय सहित सभी थाना एवं चौकी स्तर पर साप्ताहिक सामूहिक ध्यान सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और ध्यान के माध्यम से मानसिक शांति, आत्मनियंत्रण और आंतरिक संतुलन का अभ्यास किया। एसपी ने बताया कि ध्यान और आत्मचिंतन सत्रों का उद्देश्य केवल कार्य के तनाव को कम करना ही नहीं, बल्कि पुलिस कर्मियों में आत्मविश्वास, धैर्य, एकाग्रता और सकारात्मक सोच विकसित करना भी है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि ध्यान अभ्यास से कर्मियों को कठिन और तनावपूर्ण परिस्थितियों में भी संयमित और संतुलित रहकर कार्य करने में मदद मिलेगी, जिससे उनके व्यवहार में संवेदनशीलता और निर्णय क्षमता में सुधार होगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल को मानसिक रूप से मजबूत बनाकर जनसेवा को और अधिक प्रभावी और मानवीय बनाना है। एक संतुलित और मानसिक रूप से मजबूत पुलिस बल समाज में सुरक्षा के साथ-साथ विश्वास का माहौल भी मजबूत करता है। टीकमगढ़ पुलिस द्वारा शुरू किया गया यह साप्ताहिक ध्यान और आत्मचिंतन कार्यक्रम पुलिस कर्मियों के कल्याण की दिशा में सकारात्मक कदम माना जा रहा है। पुलिस विभाग का कहना है कि भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि पुलिस कर्मियों की कार्यक्षमता, मानसिक संतुलन और जनसेवा की गुणवत्ता में लगातार सुधार हो सके।

आज से शुरू होगी 2 दिवसीय कव्वाली, देश के प्रसिद्ध कव्वाल देंगे सूफियाना कलाम की प्रस्तुति

चादर चढ़ाकर शुरू हुआ कौमी एकता का प्रतीक 84वां उर्स मुबारक

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

कौमी एकता, आपसी भाईचारे और सूफी परंपरा के प्रतीक दरगाह शरीफ हजरत इलाही शाह बाबा का 84वां सालाना उर्स मुबारक शान-ओ-शौकत और अकीदत के साथ मनाया जा रहा है। उर्स को लेकर दरगाह परिसर में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं जिसमें धार्मिक कार्यक्रमों, चादर पेशी और अंतर्राष्ट्रीय कव्वालों की शानदार प्रस्तुतियां होंगी। उक्त जानकारी उर्स कमेटी के मीडिया प्रभारी सत्तार बाबा खान ने देते हुये बताया कि 6 अप्रैल से शुरू होने बाले 2 दिवसीय कब्बाली कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध कव्वाल सूफियाना कलाम द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी।

उर्स मुबारक के अवसर पर दूर-दूर से अकीदतमंद दरगाह पहुंच रहे हैं। उर्स को कौमी एकता और भाईचारे का प्रतीक माना जाता है, जहां सभी धर्मों के लोग पहुंचकर बाबा की दरगाह पर चादर चढ़ाते हैं और अमन-चैन की दुआ मांगते हैं। उर्स के दौरान दरगाह परिसर में विशेष सजावट की गई है और जायरीन के लिए व्यवस्थाएं भी की गई हैं। उर्स कमेटी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 5 अप्रैल को शाम 7 बजे जामा मस्जिद से चादर शरीफ उठाई जाएगी, जो शहर के प्रमुख मार्गों से गस्त करती हुई दरगाह शरीफ पहुंचेगी, जहां अकीदतमंदों द्वारा चादर पेश की जाएगी। यह नजारा उर्स का सबसे प्रमुख आकर्षण माना जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। 6 अप्रैल को रात्रि 9 बजे से अंतर्राष्ट्रीय कव्वाल जनाब अमन साबरी मुंबई द्वारा शानदार कव्वाली कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं 7 अप्रैल को रात्रि 9 बजे से अंतर्राष्ट्रीय कव्वाल जनाब जुनैद सुल्तानी बदायूं उत्तरप्रदेश एवं जनाब गुलाम वारिस दिल्ली द्वारा सूफियाना कलाम पेश किया जाएगा। लगातार दो दिनों तक चलने वाले कव्वाली कार्यक्रम उर्स की रौनक को और बढ़ाएंगे। उर्स कमेटी के मुख्य संरक्षक विधायक एबं पूर्व मंत्री दादा यादवेन्द्र सिंह बुंदेला के मार्गदर्शन में उर्स का आयोजन किया जा रहा है। उर्स कमेटी के संरक्षक नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार पप्पू मलिक, उर्स कमेटी अध्यक्ष अंकित जैल पिंटू बड़ागांव, उपाध्यक्ष संयम चतुर्वेदी, सचिव अब्दुल सगीर, संयोजक इनामउल्ला खान, कोषाध्यक्ष मुमताज अली बब्लू एवं उप कोषाध्यक्ष नासिर खान सहित पूरी कमेटी आयोजन को सफल बनाने में जुटी हुई है। उर्स कमेटी ने जिले एवं आसपास के लोगों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर उर्स मुबारक में शामिल हों और सूफी संत हजरत इलाही शाह बाबा की दरगाह पर हाजिरी लगाकर देश में अमन, शांति और भाईचारे की दुआ करें। उर्स को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और श्रद्धा का माहौल बना हुआ है।

सुरक्षा को लेकर यातायात नियमों पर सख्ती

नियमतोड़ चालकों के हुए चालान, 372 वाहनों की जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

जिले में सड़क सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा सघन वाहन जांच एवं सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में संचालित इस अभियान के तहत यातायात नियमों के पालन के साथ-साथ संदिग्ध एवं अवैधानिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक मंडलोई के द्वारा जिले के सभी बॉर्डर थाना और चौकी प्रभारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं कि अंतर्राज्यीय सीमाओं पर रात्रि के समय सघन और सतत चेकिंग की जाए, ताकि संदिग्ध व्यक्तियों, अवैध परिवहन और आपराधिक गतिविधियों पर समय रहते अंकुश लगाया जा सके। 4 अप्रैल को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों, प्रमुख मार्गों और चेकिंग पॉइंट्स पर व्यापक वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 372 वाहनों की जांच की गई, जिसमें 46 वाहन चालक यातायात नियमों का उल्लंघन करते पाए गए। पुलिस द्वारा वैधानिक कार्रवाई करते हुए इन वाहन चालकों पर कुल 13 हजार 700 रुपये का अर्थदंड बसूल किया गया। पुलिस द्वारा वाहन जांच के साथ-साथ अंतर्राज्यीय सीमाओं और प्रमुख मार्गों पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन जांच भी की जा रही है। इस संयुक्त कार्रवाई से जिले में अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान के दौरान पुलिस द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों तथा एम्बुलेंस जैसी आपात सेवाओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उनकी आवाजाही सुचारु रूप से जारी रहे। टीकमगढ़ पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करें, सुरक्षित वाहन चलाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। पुलिस का कहना है कि सड़क सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आमजन का सहयोग आवश्यक है।

लगन और निष्ठा से सपने को पूर्ण किया

परचून व्यापारी की बेटी हिमांशी जैन बन गई असिस्टेंट कमिश्नर

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

मड़ावरा कस्बे की रहने वाली साधारण परिवार की बेटी हिमांशी जैन ने यूपी पीसीएस 2024 परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करते हुए असिस्टेंट कमिश्नर पद पर चयनित होकर पूरे जनपद का नाम रोशन कर दिया है। दूसरे प्रयास में 154वीं रैंक प्राप्त कर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया, जिससे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। हिमांशी जैन के ललितपुर आगमन पर रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। परिजन, रिश्तेदार, मित्रों और क्षेत्रवासियों ने फूल-मालाओं के साथ उनका जोरदार अभिनंदन किया। इस दौरान बेटी हो तो हिमांशी जैसी जैसे नारों से माहौल गूंज उठा। हिमांशी की सफलता के पीछे एक भावुक और प्रेरणादायक संघर्ष की कहानी छिपी है। वर्ष 2021 में कोरोना काल के दौरान उनके पिता का निधन हो गया था। खास बात यह रही कि जिस दिन उनकी बरसी थी, उसी दिन यह सफलता परिवार के हाथ लगी, जिसने इस पल को भावनात्मक बना दिया।

मानवीय पहल करते हुए किशोरी को पहुंचाया सुरक्षित घर, परिवार खुश

गलत बस में बैठी भटकी किशोरी का सहारा बनी डायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

जिले में आमजन की आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और संवेदनशील सहायता उपलब्ध कराने के निर्देशों के तहत टीकमगढ़ पुलिस द्वारा लगातार मानवीय पहल के उदाहरण सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में डायल-112 टीम ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए गलत बस में बैठकर भटक गई एक किशोरी को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया।

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में आमजन को आपातकालीन स्थिति में तत्काल सहायता प्रदान की जाए। इसी के तहत 4 अप्रैल को थाना खरगापुर क्षेत्र के कुड़ीला चौराहे पर एक किशोरी ने डायल-112 वाहन को देखकर मदद मांगी। पूछताछ में किशोरी ने बताया कि वह कॉलेज से घर लौटते समय गलती से गलत बस में बैठ गई थी, जिससे वह अपने गंतव्य से भटक गई। उसके पास आगे जाने के लिए किराए के पैसे भी नहीं थे, जिससे वह परेशान हो गई थी। स्थिति को समझते हुए डायल-112 स्टाफ आरक्षक भागीरथ लोधी और पायलट सनी लोधी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए किशोरी को एफआरवी वाहन में बैठाकर सुरक्षित उसके बताए पते की ओर रवाना किया। इसी दौरान थाना बल्देवगढ़ से सूचना मिली कि एक किशोरी घर नहीं पहुंची है और उसके परिजन थाने पर मौजूद हैं। सूचना मिलते ही डायल-112 टीम किशोरी को लेकर तुरंत थाना बल्देवगढ़ पहुंची, जहां उसकी पहचान कर उसे सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। इस त्वरित कार्रवाई से जहां किशोरी सुरक्षित अपने परिवार तक पहुंच गई, वहीं परिजनों ने डायल-112 सेवा और पुलिस जवानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस पहल की सराहना की। यह घटना दर्शाती है कि पुलिस न केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने में तत्पर है, बल्कि आमजन की सुरक्षा और सहायता के लिए भी पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

प्रशिक्षण में अधिकारियों को सिखाई नई तकनीक, दोष सिद्धि दर बढ़ाने पर जोर

तकनीक आधारित प्रणाली से बढ़ेगी कार्यकुशलता, गुणवत्ता व गतिः एसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

जिले में अनुसंधान कार्य को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के उद्देश्य से ई-विवेचना प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पहल पुलिस कार्यप्रणाली को आधुनिक तकनीक के अनुरूप ढालने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है, जिससे जांच प्रक्रिया में तेजी और सटीकता आएगी। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में 5 अप्रैल को पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं पुलिस कंट्रोल रूम में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिला मुख्यालय पर पदस्थ सभी विवेचना अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को ई-विवेचना प्रणाली के माध्यम से प्रकरण पंजीयन, केस डायरी लेखन, डिजिटल साक्ष्यों के संकलन, दस्तावेज अपलोड, ऑनलाइन मॉनिटरिंग और न्यायालयीन प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक मंडलोई ने कहा कि तकनीक आधारित यह प्रणाली न केवल विवेचना अधिकारियों की कार्यकुशलता बढ़ाएगी, बल्कि अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार लाकर न्यायिक प्रक्रिया को भी गति प्रदान करेगी। उन्होंने अधिकारियों से ई-विवेचना प्रणाली का अधिकतम उपयोग करने और समयबद्ध, सटीक जांच सुनिश्चित करने की अपेक्षा जताई। प्रशिक्षण में सैद्धांतिक सत्रों के साथ प्रायोगिक अभ्यास पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने अधिकारियों को ई-विवेचना पोर्टल पर कार्य करने की प्रक्रिया विस्तार से समझाई, जिससे उनकी तकनीकी समझ में वृद्धि हुई। इस अभ्यास से अधिकारियों को डिजिटल साक्ष्यों के बेहतर उपयोग और प्रकरणों के व्यवस्थित निष्पादन में मदद मिलेगी।

प्रशिक्षण के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि वर्तमान समय में तकनीक आधारित जांच प्रणाली अत्यंत आवश्यक हो गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे विवेचना के दौरान उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों का सही तरीके से संकलन और विश्लेषण करें, ताकि न्यायालय में मजबूत साक्ष्य प्रस्तुत कर दोष सिद्धि दर बढ़ाई जा सके। जिले में लगातार तकनीकी उन्नयन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप पुलिस ने सीसीटीएनएस रैंकिंग में प्रदेश स्तर पर चौथा स्थान हासिल किया है, जो पुलिस बल की प्रतिबद्धता और आधुनिक कार्यशैली का प्रमाण है। पुलिस विभाग का लक्ष्य है कि नियमित प्रशिक्षण, तकनीकी सुदृढ़ीकरण और ई-विवेचना प्रणाली के व्यापक उपयोग के माध्यम से जिले को सीसीटीएनएस रैंकिंग में प्रदेश में प्रथम स्थान पर स्थापित किया जाए। इसके लिए निरंतर प्रयास जारी हैं और आने वाले समय में पुलिस कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

विधायक ने धरना दिया, भाजपा नेताओं ने आश्वासन दिया

ओलावृष्टि के बाद खेत, खलिहान का नेताओं ने निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

शनिवार की शाम हुई ओलावृष्टि के बाद बर्बाद खेत और खलिहान रविवार को नेताओं के लिए राजनीतिक पर्यटक स्थल बनते दिखे। अल सुबह ही नेता दलबल सहित उन गांव में पहुंच गए जहां आसमान से ओलो के रूप में बरसी आफत ने खेतों में कटने को तैयार खड़ी फसलों को जमीनदोज कर दिया कई खलिहानों में भी कटी पड़ी फसल को बर्बाद करने का काम ओलावृष्टि ने कर दिया। इस बर्बादी को देखने पहुंचे भाजपा नेताओं ने किसानों को मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया वहीं कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल ने किसानों के संग मिलकर सड़क पर धरना दिया।

शनिवार को हुई ओलावृष्टि से सोईकलां से जेनी मानपुर ढोढर और विजयपुर तक वाले क्षेत्र में भयंकर नुकसान देखने को मिला है इस नुकसान से किसान हैरान परेशान है और हैरान परेशान इसलिए भी है क्योंकि फसले कटाई के लिए तैयार रखी हुई थी और इन फसलों से किसानों को आने वाले दिनों में आखातीज एवं पीपल पूर्णिमा के शुभ मुहूर्त में अपने बच्चों की शादी करना थी गेहूं की फसल बेचकर शादी करने का चलन क्षेत्र में पुराना है तो आज भी कई किसान इस उम्मीद में थे लेकिन उनकी उम्मीद को पानी फेरने का काम आसमान से हुई बारिश ने कर दिया रविवार को नेताओं ने मौके पर पहुंचकर किसानों को आश्वासन देते हुए मुआवजा राशि दिलाने की बात कही है लेकिन मुआवजा मिलना भी आसान काम नहीं है। ज्ञात हो कि कुछ माह पहले बे मौसम बारिश से बर्बाद हुई धान की फसल का मुआवजा सरकार ने किसानों को अपनी शर्त पर दिया था इससे पहले विधायक बाबू जंडेल सहित कांग्रेस ने मुआवजा के लिए भूख हड़ताल की थी। रविवार को भी विधायक बाबू जंडेल ने ओलावृष्टि की मांग को लेकर भौगिका तिराहा पर किसानों के साथ मिलकर धरना दिया।

घर मकान जमींदोज, एक किसान को अस्पताल में होना पडा भर्ती

शनिवार को हुई आफत की बारिश से सिर्फ खेतों में खड़ी गेहूं की फसल ही बर्बाद नहीं हुई बल्कि ओलो की बारिश में कई घर मकान जमीनदोज हो गए। काटकर लाई गई फसल को रखने के लिए खलिहानों में बनाए गए घासपूस के छप्पर ओर टीनशेड भी पूरी तरह नष्ट हो गए और कई छप्पर पानी और तेज आंधी में उड़ गए। बहरावदा गांव में एक किसान ओलो की मार से अचेत हो गया जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कृषि विभाग ने शुरू किया सर्वे

ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का आंकलन करने का काम कृषि विभाग ने शुरू कर दिया है। इस क्रम में रविवार को कृषि विभाग की टीम ने ग्राम सोंईकलां, चिमलका, दद्दुनी, मेवाड़ा, मानपुर, बहरावड़ा, बगडुआ, दांतरदा एवं बिचपुरी में पहुंचकर गेहूं फसल की क्षति का आकलन किया। इस दौरान उप संचालक कृषि जीके पचौरिया, एसएडीओ शरद रघुवंशी तथा संबंधित कृषि विस्तार अधिकारी सुरेश बंसल एवं नान सिंह किराड़े उपस्थित रहे।

इनका कहना है...

हमने खेतों में पहुंच कर देखा है फसलों को शत प्रतिशत नुकसान हुआ है प्रशासन ने टीम बनाकर क्षति का आंकलन शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को स्थिति से अवगत करा दिया है। किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है। एक एक दाने का मुआवजा दिलाया जाएगा।

शशांक भूषण
भाजपा जिलाध्यक्ष श्योपुर

अचानक हुई ओलो की बारिश से किसान बर्बाद हो गया है लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। तीन माह पहले भी बे मौसम बारिश से बर्बाद हुई धान की फसल का मुआवजा हमने किसानों को दिलवाया था अभी भी दिलाएंगे अगर शासन प्रशासन इस मामले में मनमानी करेगा तो पहले की तरह धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ आंदोलन करेंगे।

बाबू जंडेल
विधायक श्योपुर

शव जंगल में फांसी के फंदे पर झूलता मिला था

दहेज प्रताडना से तंग आकर विवाहिता ने लगाई थी फांसी, पति पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर।

जिले के कराहल थाना क्षेत्र में 15 मार्च को जंगल में फांसी के फंदे पर लटका मिला महिला का शव अब दहेज प्रताड़ना से जुड़ा मामला निकला है। पुलिस की जांच के दौरान यह बात सामने आई कि विवाहिता ने दहेज प्रताडना से तंग आकर आत्महत्या की है। इसलिए पुलिस ने जांच के बाद मृतका के पति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

यहां बता दें कि विवाहिता रामदुलाई 20 वर्ष पत्नी सेंपल उर्फ चिरोंजीलाल कुशवाह निवासी उधमपुरा एक दिन पहले घर से लापता हो गई थी। दूसरे दिन उसका शव जंगल में एक पेड से फांसी के फंदे पर झूलता मिला है। उस समय मृतिका के मायके पक्ष के लोगो ने ससुरालीजनों पर उसकी हत्या किए जाने का आरोप लगाया था। इस मामले में कराहल थाना पुलिस ने मर्ग दर्ज किया और एसडीओपी बडौदा अवनीत शर्मा ने इस मामले की जांच शुरू की। पुलिस की जांच के दौरान यह बात सामने आई कि मृतका को दहेज के लिए मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था, जिससे परेशान होकर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एसडीओपी अवनीत शर्मा ने बताया कि इस मामले में जांच के बाद मृतिका के पति सेम्पल पुत्र चिंरोजीलाल कुशवाह के खिलाफ 25/26 के तहत धारा 80(2), 85 बीएनएस एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए विवेचना शुरू कर दी है।

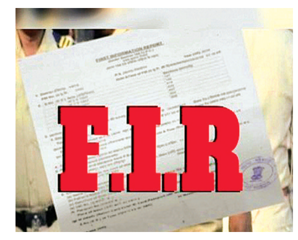

सेक्टर श्योपुर में जल प्याऊ का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक नेहा सिंह के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सेक्टर श्योपुर में नवांकुर संस्था मातृ छाया संस्थान द्वारा तिलक मार्ग वार्ड 2 में दाऊ दयाल जी के मंदिर प्रांगण पर जल मंदिर (प्याऊ) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के तहत "जल शक्ति से नव भक्ति" पहल के अंतर्गत वरिष्ठ समाजसेवी डॉ ओम प्रकाश टकसाली ने विधिवत पूजन-अर्चन कर जल मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होने कहा कि वर्तमान समय में जल का कोई विकल्प नहीं हे इसलिए एक मातृ जल संरक्षण का प्रयास हमे मिलकर करना होगा अनावश्यक पानी ना बहाए, नलों में टोटियां लगाए, तालाबों नदियों में कचरा ना डाले तभी पानी के संरक्षण का प्रयास सफल होगा। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर संस्था सचिव भास्कराचार्य टकसाली, सुमित्रा बाई, मोना, मनोज कुमावत, राहुल गौड, नगर विकास प्रस्फुटन समिति से बिंदिया, प्रियंका, आरव, मेहुल उपस्थित थे।

संदिग्ध परिस्थितियों के बीच महिला ने अपने घर में लगाई फांसी, मौत

कराहल कस्बे की घटना, जांच में जुटी कराहल थाना पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

कराहल कस्बे में रविवार की सुबह 11 बजे के आसपास एक महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों के बीच अपने घर के अंदर फांसी लगा ली। जब तक घर के लोगो को इस बात का पता चला, तब तक फांसी पर लटकी महिला की मौत हो गई। इस मामले में कराहल थाना पुलिस ने मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है और महिला के शव को पीएम के उपरांत परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

कराहल थाना पुलिस के मुताबिक कराहल निवासी महिला शारदा 30 वर्ष पत्नी भगवान सिंह कुशवाह ने रविवार की सुबह 11 बजे के आसपास उस समय अपने घर के एक कमरे में फांसी लगा ली, जब घर के लोग अपने अपने काम में व्यस्त थे। जिसका पता परिवार के लोगो को तब चला, जब वह किसी काम से कमरे के अंदर गए, जहां उन्हें कमरे के अंदर शारदा बाई फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। इसके बाद परिवार के लोग महिला को तत्काल फांसी के फंदे से उतारकर इलाज के लिए कराहल अस्पताल लेकर पहुंचे, मगर वहां डॉक्टरों ने चैकअप के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल फांसी लगाए जाने के कारणों का पता नहीं चल सका है। लेकिन बताया जा रहा है कि महिला का पिछले कुछ समय से दिमागी संतुलन ठीक नहीं है। जिसका इलाज भी परिवार के लोगो के द्वारा कराया जा रहा था। इस मामले में कराहल टीआई यास्मीन खान का कहना है कि महिला के शव को पीएम उपरांत परिजनो के सुपुर्द कर दिया है और मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान जो स्थिति सामने आएगी, उसके मुताबिक आगे की कार्रवाई की जाएगी।

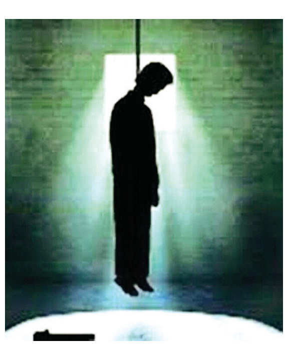

बुधवार को हजारेश्वर पार्क में जुटेंगे शिक्षक, रैली निकालकर ज्ञापन सौंपेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

टेट के विरोध में जिले के शिक्षक 8 अप्रैल बुधवार को अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले शहर के श्री हजारेश्वर पार्क में एकत्रित होगे। इसके बाद यहां से रैली निकालते हुए कलेक्ट्रेट में पहुंचेगे, जहां नारेबाजी करते हुए सीएम के नाम ज्ञापन सौपा जाएगा। यह जानकारी देते हुए रामचरित रावत और पदम सिंह मीणा सहित अन्य कई शिक्षक संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि टेट की अनिवार्यता के विरोध में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले प्रदेश व्यापी आंदोलन किया जा रहा है। इसी क्रम में श्योपुर जिला मुख्यालय पर भी 8 अप्रैल को शिक्षको के द्वारा रैली निकालते हुए प्रदर्शन किया जाएगा। इसके लिए जिले के सभी शिक्षको को 8 अप्रैल बुधवार को शाम 4 बजे श्री हजारेश्वर पार्क श्योपुर में एकत्रित होने का आह्वान किया गया।

गाय चराने की बात पर पीटा, दो पर केस

श्योपुर। बरगवां थाना क्षेत्र के गांव पहाडी के हार में एक आदिवासी युवक की नामजद आरोपियों ने खेत में गाय चराने की बात को लेकर जातीय अपमान करते हुए मारपीट कर दी। पुलिस ने बताया कि रमेश आदिवासी निवासी पहाडी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि शनिवार की शाम को खेत में गाय चराने की बात पर बेरू मारवाडी और बर्धा मारवाडी निवासी चितारा ने जातीय अपमान करते हुए मेरी मारपीट कर दी। जिससे वह चोटिल हो गया। पुलिस ने रमेश की रिपोर्ट पर दोनों के खिलाफ मारपीट और एससीएसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

सीप नदी के आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अवदान पर व्याख्यान माला आयोजित

सीप के किनारे प्राचीन समृद्ध सभ्यता और संस्कृति के दर्शन होतेः रूपेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

सीप नदी के किनारे एक अत्यन्त प्राचीन और समृद्ध सभ्यता एवं संस्कृति के दर्शन होते है, इस नदी के किनारे स्थित प्राचीन मंदिरों, किले, गढियों से इसकी प्राचीन एवं पुरातन सभ्यता का रेखाकंन होता है। यह बात जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी तथा अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय ने रविवार को कलेक्टर अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में सीप नदी के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से पीएम श्री महाविद्यालय श्योपुर में "सीप नदी के आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अवदान" विषय पर आयोजित व्याख्यान माला को संबोधित करते हुए कही।

जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद श्योपुर के तत्वावधान में आयोजित इस व्याख्यान माला में नपा उपाध्यक्ष संजय महाना ने सीप नदी के महत्व को प्रतिपादित करते हुए कहा कि इसके किनारे स्थित घाट और मंदिर हमारी धार्मिक संस्कृति का महत्वपूर्ण भाग है। हम सभी का कर्तव्य है कि हम इस धरोहर का संरक्षण करें और सीप नदी को स्वच्छ बनाने में अपनी भूमिका निभायें। समाजसेवी एवं सीप पदयात्री कैलाश पाराशर ने सीप नदी की सभ्यता का विस्तार से वर्णन करते हुए सीप नदी के उद्गम स्थल पनवाडा से लेकर संगम तक की यात्रा के संबंध में जानकारी प्रदान की। प्रोफेसर डॉ सीमा चौकसे ने कहा कि सभी धर्मावलम्बीयों के लिए अपने पर्वो और संस्कारो का महत्वपूर्ण स्थान है। यह सांप्रदायिक सौहार्द और सदभावना की मिशाल है, जयपुर से आये सेवा निवृत्त भू-गर्भ वैज्ञानिक अमित कुमार शर्मा ने कहा कि जल का महत्व क्या है, इसे समझने के लिए राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों की जानकारी आवश्यक है, जहां व्यक्ति जल की एक-एक बूंद को सहेजता है, श्योपुर जिला सौभाग्यशाली है कि यहां सीप, पार्वती, चंबल, क्वारी जैसी नदियां है। इस दौरान महात्मा गांधी सेवा आश्रम के प्रबंधक जय सिंह जादौन ने सीप नदी के किनारे बसे ग्रामों में सीप संरक्षण हेतु सामाजिक समितियां बनाये जाने की आवश्यकता पर बल दिया। पीएमश्री महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ओपी शर्मा ने कहा कि सीप नदी के किनारे नगर एवं गांव में कृषि तथा उद्योगों के माध्यम से समृद्धता है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी लोकेश तिवारी द्वारा भी सीप संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किये गये। कार्यक्रम के अंत में अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय द्वारा उपस्थितजनों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ सीमा चौकसे तथा आभार प्रदर्शन सीप पदयात्रीआदित्य चौहान द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर विपिन बिहारी शर्मा, मनरेगा पीओ विक्रम जाट, जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक नेहा सिंह, नगरपालिका उपयंत्री पवन गर्ग सहित प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहें।

निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार बांटे

व्याख्यान माला के दौरान जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद श्योपुर के तत्वाधान में पूर्व में आयोजित की गई निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किये गये। श्योपुर की जीवन रेखा सीप नदी विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता के 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में ईश्वर वैष्णव को प्रथम पुरस्कार के रूप में 2100 रूपये, लवकुश बैरवा को द्वितीय स्थान के लिए 1500 रूपये एवं तृतीय स्थान के लिए कोमल बैरवा को 1100 रूपये की नकद राशि भेंट की गई। इसके साथ ही 18 वर्ष से कम आयुवर्ग में प्रथम स्थान के लिए नाविका खंडेलवाल को 1500 रूपये की पुरस्कार राशि भेंट की गई।

एक माह में खोजीपुरा और तीन माह में श्योपुर पहुंच जाएगी ब्रॉडगेज

और नजदीक पहुंची उम्मीद की ट्रेन, टर्राकलां में रेल देखने के लिए उमड़ी लोगों की भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

रविवार को ग्राम टर्राकलां में 6 साल बाद आई रेल को देखने के लिए पूरा गांव पटरियों पर उमड़ पड़ा। अचानक इंजन की आवाज सुनाई देते ही लोग जिधर से आवाज आई थी उस ओर दौड़ लगा कर जाते दिखाई दिए। इस गांव से दिन में चार बार गुजरने वाली ट्रेन इस बार 6 साल बाद अमान परिवर्तन के साथ लौटी थी जिससे ग्रामीणों का उत्साह देखते ही बन रहा था। लंबे समय बाद गांव में रेल आई थी हालांकि रेल मालगाड़ी के रूप में पटरिया लेकर आई थी पर इससे इस ट्रैक पर 6 साल बाद फिर रेल दौड़ने की उम्मीद जरूर जग गई है।

सूत्रों की मांने तो एक माह में खोजीपुरा ढोढर तक पटरी बिछाने का काम पूरा कर दिया जाएगा और दो से तीन माह के बीच श्योपुर स्टेशन तक पटरी बिछा दी जायेगी। इसी के साथ ग्वालियर से श्योपुर तक ब्रॉड गेज को चलाने का सपना भी पूरा हो सकेगा। यहां बता दें कि मार्च 2020 में आए कोरोना के दौरान श्योपुर ग्वालियर ट्रैक पर नैरोगेज के पहिए ऐसे जाम हुए कि दोबारा दौड़ नहीं सके। कोरोना काल के कारण बंद हुआ छुकछुक रेलगाड़ी का सफर इस ट्रैक पर कोरोना काल में ही ब्रॉड गेज की सौगात मिलने दोबारा शुरू नहीं हो सका। 188 किमी लंबे इस ट्रैक पर 100 साल पहले छोटी और भाप से चलने वाली रेल के लिए बिछाई गई पटरियां उखाड़ने का टेंडर कोरोना काल में हो जाने से पटरियां उखाडी जाने लगी और जब कोराना काल से पूरी तरह राहत मिल गई तब ट्रैक पर नैरोगेज के स्थान पर ब्रॉडगेज लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया गया। हालांकि इस सफर पर ब्रेक लगने से परेशानी जरूर हुई पर ब्रॉडगेज की सौगात मिलने की खुशी में यह परेशानी भी लोगों ने खुशी खुशी उठा ली। 6 साल से इस ट्रैक पर बंद पड़े ट्रेन का सफर अब जल्द शुरू होता दिखाई दे रहा है। इसको सुखद अनुभूति श्योपुर जिले के लोगों को रविवार को तब देखने को मिली जब इस ट्रैक पर श्योपुर जिला मुख्यालय से करीब 45 किमी दूर पहली बार माल गाड़ी पटरिया लेकर आई। ज्ञात हो कि दो माह पहले सबलगढ़ के साथ बीरपुर स्टेशन तक ट्रेन चलाने का परीक्षण किया जा चुका है। ज्ञात हो कि इस ट्रैक पर अभी तक कैलारस से ग्वालियर तक मेमू ट्रेन दौड़ रही है और इस मेमू ट्रेन सबलगढ़ तक बढ़ाए जाने की मांग बीते 6 माह से की जा रही है। अब बीरपुर के बाद टर्रा कला तक मालगाड़ी पहुंचने से सपनों की रेल ओर करीब आ गई है।

188 किमी का है पूरा ब्रॉडगेज प्रोजेक्ट

वर्ष 2010-11 में स्वीकृत हुए 188 किलोमीटर के ग्वालियर श्योपुर ब्रॉडगेज प्रोजेक्ट 2922 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा है। जिसमें ग्वालियर से श्योपुर तक 3 सेक्शन में काम हो रहा है। इसमें ग्वालियर से सबलगढ़ तक 5 सेक्शन का काम हो चुका है और आगामी दिनों में सबलगढ़ तक ट्रैन चलाने की तैयारी है, वहीं अब सबलगढ़ से श्योपुर तक के 3 सेक्शन में काम चल रहा है। तीनों सेक्शन को कुल लंबाई 92 किमी के आसपास है। रेलवे सूत्रों की माने तो इस परियोजना का काम 90 फीसद पूरा हो चुका है।

एक साल लेट हो गया प्रोजेक्ट

श्योपुर जिले का महत्वाकाक्षों गवालियर श्योपुर रेल लाइन प्रोजेक्ट देरी से चल रहा है। हालांकि मार्च 2025 में प्रोजेक्ट पूर्ण होना था, लेकिन काम में देरी होने से अब इसे जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। याही वजह है कि अब श्योपुर जिले में भी काम तेज होता दिखाई दे रहा है। इसी के तहत रविवार को टर्रा कला में माल गाड़ी पटरिया लेकर पहुंची। यहां तक का ट्रैक लगभग कंपलीट हो चुका है और जून के बाद कभी भी काम कंप्लीट होने की घोषणा की जा सकती है।

दर्दनाक हादसाः खाई में गिरी कार महिला की मौत, 5 घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

जिले के गुना बायपास पर शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक ही परिवार के लोगों से भरी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद करीब 40 फीट गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों का जिला अस्पताल गुना में इलाज जारी है।जानकारी के अनुसार अग्रवाल परिवार उज्जैन से ओंकारेश्वर महादेव के दर्शन कर ग्वालियर में कीर्तन कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा था। इसी दौरान गुना बायपास पर अचानक कार अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से टकराकर खाई में गिर गई। हादसे के वक्त वाहन में पांच लोग और एक बच्ची सवार थी, जो सभी एक ही परिवार के थे, जबकि उनके साथ एक पड़ोसी भी मौजूद था। घायल लोकेश द्विवेदी ने बताया कि हादसा इतना अचानक हुआ कि कुछ समझ ही नहीं आया और आंखों के सामने अंधेरा छा गया। कार उनके भाई चला रहे थे। हादसे में अनीता अग्रवाल की मौके पर ही मौत हो गई।

महिला से छेड़छाड़ एफआईआर दर्ज

श्योपुर। मानपुर थाना क्षेत्र के गांव दलारना में एक महिला के साथ नामजद आरोपी के द्वारा छेडछाड किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि ग्राम दलारना निवासी महिला बीते रोज जब अपने बाडे पर गई थी, तभी मौका देखकर उसका हाथ गांव के ही रामरूप पुत्र पहलवान मीणा ने पकड लिया। लेकिन वह महिला के विरोध करने के चलते आगे कुछ नहीं कर पाया और भाग निकला। मानपुर थाना पुलिस ने पीडित महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ छेडछाड का मामला दर्ज कर लिया है।

खबर संक्षेप

भगवान पारसनाथ की महिमा अनंत, वे करुणा, त्याग व मोक्ष के प्रतीक

बीना। छोटी बजरिया स्थित श्री 1008 पारसनाथ दिगंबर पंचायती जैन मंदिर में भव्य धार्मिक आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम नवाचार्य श्री 108 समयसागर महाराज एवं मुनि श्री 108 सरलसागर महाराज के पावन आशीर्वाद से आयोजित किया गया। श्रुतधाम संस्थापक बाल ब्रह्मचारी संदीप सरल का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन पंडित प्रदीप शास्त्री द्वारा किया गया। वहीं संगीत की मधुर प्रस्तुति हेमंत जैन गंजबासौदा द्वारा दी गई। जिसने पूरे वातावरण को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। इस दौरान भगवान पारसनाथ का महामस्तकाभिषेक बड़े ही श्रद्धा और विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। साथ ही अभिषेक एवं शांति धारा का आयोजन हुआ। शांतिधारा के प्रमुख पात्रों में डॉक्टर महेंद्र जैन, अनिल कुमार, सुनील कुमार (जलंधर परिवार), निशांत जैन, कमल जैन, राजेश जैन, देवेंद्र, रमेश चंद्र, अभय, अशोक, राजकुमार आदि श्रद्धालु शामिल रहे। भगवान पारसनाथ की महिमा का वर्णन करते हुए बाल ब्रह्मचारी संदीप सरल ने बताया कि जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से पारसनाथ भगवान के चरणों में आता है, उसके सभी दुःख-दर्द दूर हो जाते हैं और उसे सम्यक ज्ञान की प्राप्ति होती है। उन्होंने आगे कहा कि भगवान पारसनाथ की उपासना केवल पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मशुद्धि, संयम और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उनकी महिमा अनंत है वे करुणा, त्याग और मोक्ष मार्ग के प्रतीक हैं। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक पूजन हुआ। सायंकाल आरती एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी बड़े ही भक्तिभाव के साथ संपन्न हुए। कार्यक्रम में पारसनाथ पंचायती जैन मंदिर मंत्री आरके जैन, प्रदीप, प्रवीण, संजय, विपिन, कपिल, राजेश, सम्यक, सुनील, अनिल एवं महिला मंडल उपस्थित रहे।

पुलिस ने की कार्यवाही अपहृता दस्तयाब कर आरोपी किया गिरफ्तार

अशोकनगर। ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में थाना मुंगावली द्वारा एक सराहनीय एवं त्वरित कार्यवाही करते हुए अपहृत नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि 28 मार्च 2025 को फरियादी द्वारा थाना मुंगावली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी बहन को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर भगा ले जाया गया है। रिपोर्ट पर थाना मुंगावली में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

केंद्रीय मंत्री ने संयुक्त तहसील कार्यालय भवन लोकार्पण किया

नवीन जिला चिकित्सालय के निर्माणाधीन स्थल भी पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा शनिवार को जिला मुख्यालय अशोकनगर स्थित 795.82 लाख रूपये से बने नवनिर्मित संयुक्त तहसील कार्यालय भवन अशोकनगर का लोकार्पण कर आमजन के लिए समर्पित किया। संयुक्त तहसील भवन के बन जाने से आमजन के राजस्व कार्यो में गति आयेगें। साथ ही कार्यालय में बेहतर सुविधाएं आमजन को मिल सकेगी। अभी तक यह भवन पुराने तहसील कार्यालय में चल रहा था।

केन्द्रीय मंत्री ने नवीन जिला चिकित्सालय के निर्माणाधीन स्थल का किया निरीक्षण केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा शनिवार को ग्राम बरखेडी स्थित बनने वाले नवीन जिला चिकित्सालय के निर्माणाधीन कार्यो का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल के किये जा रहे कार्यो एवं नक्शा का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। यह जिला चिकित्सालय का नया भवन 300 विस्तर की क्षमता वाला बनाया जा रहा है। वर्तमान में जिला मुख्यालय में 200 विस्तर की क्षमता वाला अस्पताल भवन है। यहां जगह की कमी के कारण मरीजों को वार्डों की गैलरी में रखना पड़ता है जिसके कारण इस नए भवन का निर्माण किया जा रहा है। अशोकनगर जिला मुख्यालय स्थित विमानों के चबूतरा पर विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। साथ ही शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को मौके पर हितलाभ का वितरण किया गया। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया द्वारा 84 लाख रूपये की लागत के 04 कार्यो का लोकार्पण तथा 02 कार्य लागत 24 लाख रूपये के कार्यो का भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने आंगनवाडी भवन, पुलिया निर्माण, सीसी रोड के कार्यो का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि अशोकनगर का परचम विकास के नाम पर, प्रगति के नाम पर मध्यप्रदेश के पटल पर स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाए। अशोकनगर को विकास और प्रगति की ऊंचाईयों तक पहुंचाने के लिए कोई कसर नही छोड़गें।

पीएमश्री शामावि में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में हुए शामिल

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शनिवार को जनपद पंचायत अशोकनगर के ग्राम कचनार के पीएमश्री शासकीय माध्यमिक विद्यालय में स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्कूली छात्र-छात्राओं को पुस्तकों का

वितरण भी किया। उन्होंने बच्चों और अभिभावकों को शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि गांवों में भी ऐसी क्षमता है, जहां से देश के लिए लाखों योग्य और सशक्त नागरिक तैयार किए जा सकते हैं। उन्होनें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रहे विकास का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियानों से गांव-गांव तक शिक्षा पहुंच रही है, जिससे बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो रहा है। इस दौरान उन्होंने ग्वालियर स्थित गजरा राज मेडिकल कॉलेज का उदाहरण देते हुए बताया गया कि कैसे वर्षों पहले स्थापित इस संस्थान ने हजारों डॉक्टर तैयार किए, जो आज देश-विदेश में सेवाएं दे रहे हैं। कार्यक्रम में बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा गया कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है और एक अच्छी किताब कई दोस्तों के बराबर होती है, जबकि एक अच्छा दोस्त पूरे पुस्तकालय के समान होता है। उन्होंने सभी नवप्रवेशित छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा गया कि आने वाले 25-26 वर्षों में यही बच्चे देश की ताकत बनेंगे और भारत के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेंगे।

अशोकनगर से दिल्ली एवं इंदौर और ग्वालियर के लिए सीधी ट्रेन की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

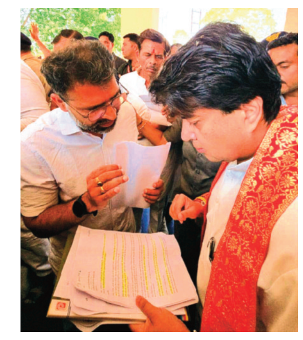

रेल रोड संपर्क विस्तार संघर्ष समिति ने अशोकनगर जिला मुख्यालय पर रेल सुविधाएं बढाए जाने व नेशनल हाईवे से जोड़ने की मांग को लेकर केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें जिला मुख्यालय से इन्दौर, ग्वालियर और दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन चलाए जाने तथा सिक्स फोर लेन ग्रीन कॉरीडोर से जोड़ने की मांग की गई है।

इस दौरान समिति का कहना है कि संसदीय क्षेत्र के तीन जिलों में से मात्र अशोकनगर ऐसा जिला है, जो पूर्ण रूप से संसदीय क्षेत्र में आता है। हमारा सौभाग्य है कि, यहां का प्रतिनिधित्व पिछले पांच दशकों से ज्यादा आपके परिवार द्वारा किया जा रहा है और इस क्षेत्र को बड़े बड़े मंत्री पदों से सुशोभित कर गौरवान्वित भी किया गया है।

लेकिन खेद व्यक्त करते हुए ससम्मान कहना पड़ रहा है, कि इसके बावजूद भी अशोकनगर जिला तुलनात्मक रूप से अपने आप को वंचित महसूस करता है। कोई उद्योग नहीं, न उच्च शिक्षा के केंद्र और न ही रेल कनेक्टिविटी और न ही राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ाव आदि। अशोकनगर से अपने सम्भागीय मुख्यालय ग्वालियर में दैनिक कार्य निपटाने हेतु दिन में कोई सीधी ट्रैन तक की व्यवस्था नहीं है। वहीं प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी और उच्च शिक्षा का केंद्र इंदौर के लिए भी कोई सीधी ट्रेन नहीं है। यही हालत राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से जुड़ाव के संबंध में है।

हम सभी लोग प्रतिभावान, काबिल और सक्षम होने के बावजूद अपने आपको अलग थलग अनाथ महसूस करते हैं। प्रदेश के रेल नक्शे में हम बीना और गुना जंक्शन के बीच स्थित है, किंतु रेल कनेक्टिविटी समुचित न होने से हम पड़े हुए हैं, लेकिन आपका मजबूत नेतृत्व और इच्छा शक्ति हमें मुख्य धारा में ला सकता है। हमारे स्टेशन पर पिछले 6 वर्षों में 25 करोड़ से ज्यादा रुपये इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर खर्च कर दिए गए, लेकिन आमजन का कहना है कि, जब महत्पूर्ण स्टेशनों के लिए ट्रेन की सुविधा ही नहीं होगी तो इस ढांचे का क्या उपयोग ?

सिक्स लेन कॉरिडोर को अशोकनगर से निकले

इसी तरह मांग की गई है कि प्रस्तावित मुरैना-नागपुर सिक्स लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को अशोकनगर जिला मुख्यालय से निकाला जाए। जिसे लेकर आम जन में बढ़ा संशय है। हाल ही में आपने परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात में इस पर चर्चा की है, निश्चित ही अपने अशोकनगर जिला मुख्यालय को हाईवे से कनेक्ट करने के संबंध में सहमति व्यक्त कराई होगी। इस संबंध में स्थिति को स्पष्ट करने की कृपा करें ताकि अशोकनगर जिले वासियों को यह विश्वास हो सके कि उनका जिला मुख्यालय सिक्स लेन हाईवे से कनेक्ट हो जाएगा।

समिति पर्याप्त समय न मिलने से नाराज

इस दौरान ज्ञापन देने पहुंची समिति का कहना है कि केन्द्रीय मंत्री और सांसद द्वारा उन्हें पर्याप्त समय नहीं दिया गया और 20 सेकेण्ड का समय दिया जाना अनुचित है, जबकि समिति द्वारा उनके निज सचिव हरीश पपोला से समय भी लिया गया था।

कचनार में सिंधिया की जनसुनवाई, 512 आवेदक पहुंचे, 121 की समस्याओं का निराकरण, कईं ग्रामीणों ने सिंधिया को अपनी व्यथा सुनाई

अशोकनगर। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अशोकनगर प्रवास में लगातार दूसरे दिन कचनार में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए उन्होंने 3 घंटे से अधिक समय तक उपस्थित रहकर प्रत्येक आवेदक से संवाद किया और अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान 512 आवेदक अपनी समस्या लेकर पहुंचे, जिला अधिकारियों की उपस्थिति में 121 आवेदकों की समस्याओं का निराकरण किया गया। सभी शिकायतों का टोकन प्रणाली के अंतर्गत पंजीकरण किया गया तथा लंबित मामलों की ऑनलाइन ट्रैकिंग सुनिश्चित की जाएगी। इससे प्रत्येक आवेदक अपनी समस्या की स्थिति को आसानी से जान सकेगा और समाधान प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहेगी। **जनसेवा का सतत संकल्प** केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनसुनवाई केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनसमस्याओं के समाधान का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन को प्राथमिकता से लेते हुए निर्धारित समयसीमा में उसका निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने दोहराया कि हर नागरिक तक पहुंचकर उसकी समस्या का समाधान करना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने मागें रख सरकार का ध्यान आकर्षित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

जिला किसान कांग्रेस कमेटी अशोकनगर दवारा शनिवार को पुरानी गल्ला मंडी, अशोकनगर में आयोजित पत्रकार वार्ता में किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर सरकार की नीतियों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। इस दौरान वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि वर्तमान सरकार किसानों के मुद्दों पर पूरी तरह असंवेदनशील है। लगातार गलत नीतियों और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण अन्नदाता आर्थिक संकट में फंसा हुआ है, लेकिन सरकार केवल दिखावटी घोषणाओं तक सीमित है।

प्रदेश महासचिव राव यादवेन्द्र सिंह यादव, अशोकनगर विधायक हरिबाबू राय, जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र कुशवाहा एवं किसान कांग्रेस कमेटी अशोकनगर के जिला अध्यक्ष मनिंदर सिंह भुल्लर उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि किसानों के साथ हो रहे अन्याय को अब और बर्दाश्त नहीं होगा, किसानों के संघर्ष को और तेज किया जाएगा। वक्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार शीघ्र ही इन मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लेती है, तो जिला किसान कांग्रेस उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

खास बातें

- कर्ज मुक्ति की समय सीमा बढ़ाने की मांग, ताकि किसान अपनी उपज बेचकर कर्ज चुका सकें।
- डिफाल्टर घोषित किसानों को तत्काल राहत देकर पुनः नियमित करने की मांग।
- गेहूं की खरीदी 4000 प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य पर सुनिश्चित करने की मांग।
- खरीदी तिथियों में बार-बार बदलाव की अव्यवस्था पर रोक लगाने की मांग।
- सोयाबीन आयात पर रोक लगाकर स्थानीय किसानों के हितों की रक्षा की मांग।
- बिजली विभाग द्वारा किसानों से की जा रही जबरन वसूली को तुरंत बंद करने की मांग।

कबाड़ बनी ई-ट्राईसाइकिल से छिनी आत्मनिर्भरता

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

शासन द्वारा दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से वितरित की गई। बैटरी चलित ट्राई साइकिलें अब उनके लिए परेशानी का सबब बनती जा रही हैं। क्षेत्र के कई दिव्यांगजनों को मिली इन साइकिलों में तकनीकी खराबी आने लगी है, विशेषकर बैटरी और चार्जर के खराब होने की शिकायतें बड़े पैमाने पर सामने आ रही हैं।

दिव्यांगजनों का कहना है कि यह ट्राई साइकिलें उनके आने-जाने का एकमात्र सहारा थीं, लेकिन अब इनके पाट्र्स खराब होने से वे फिर से दूसरों पर निर्भर हो गए हैं। बैटरी और चार्जर जैसे महत्वपूर्ण पाट्र्स की कीमत काफी अधिक है। चूंकि अधिकांश लाभार्थी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं, इसलिए उनके लिए हजारों रुपये खर्च कर नए पाट्र्स खरीदना मुमकिन नहीं है। कई जगह स्थिति यह है कि महंगी ट्राई साइकिलें केवल एक बैटरी की खराबी के कारण घर के कोने में धूल खा रही हैं। स्थानीय स्तर पर इनके सुधार की कोई व्यवस्था नहीं है और बाजार में मिलने वाले पाट्र्स उनकी पहुंच से बाहर हैं। दिव्यांग जनों ने यह भी बताया कि कई बार चक्कर लगाने के बाद तो ट्राई साइकिलें मिली थीं, अब उनके खराब होने से निराषा हुई है।

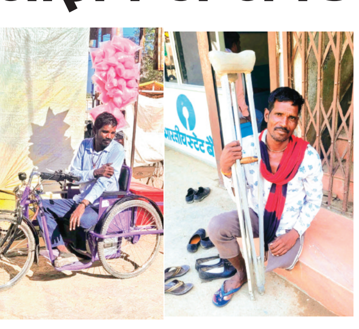

14 हजार की आ रही बैटरी, साढ़े 3 हजार में चार्जर

बर्री निवासी राजन आदिवासी हाथों में वैषाखियां लिए षनिवार को एक ग्राहक सेवा केन्द्र के बाहर बैठे थे, उन्होंने बताया कि वह पेंषन की राषि निकालने आए हैं। उन्होंने बताया कि दो साल पहले मिली ट्राई साइकिल की बैटरी कुछ महीनों पहले खराब हो गई है। 14 हजार रुपए की नई आ रही है, जिसे खरीदना हैसियत से बाहर है। इसी तरह गीलारोपा निवासी के हरि सिंह ने बताया कि चार्जर खराब हो गया था, जिसे साढ़े 3 हजार रुपए में खरीदा है। वहीं पिपरिया निवासी मलखान परिहार ने बताया कि ट्राई साइकिल के रिम टेड़े हो गए थे और वायरिंग भी जल गई थी। आसपास कोई सर्विस सेंटर नहीं होने के कारण घर पर पड़ी है।

शासन से राहत की उम्मीद

पीड़ति दिव्यांगजनों ने प्रशासन से मांग की है कि इन ट्राई साइकिलों के रखरखाव के लिए या तो कैंप लगाए जाएं या खराब हो चुके पाट्र्स को बदलने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। यदि समय रहते इनका सुधार नहीं कराया गया, तो शासन की यह महत्वाकांक्षी योजना पूरी तरह से निष्प्रभावी हो जाएगी। राजन आदिवासी का कहना था कि जब साइकिल मिली तो वह गली-मोहल्लों में कभी गुड़यिा के बाल, कभी पॉपकॉर्न तो कभी पपड़ी बेचकर अपने परिवार का पेट पालने लगा था लेकिन बैटरी खराब होने के बाद अब इसे बदलने लायक पैसे उसके पास नहीं हैं। प्रशासन को इसके सुधार की भी व्यवस्था करनी चाहिए।

इनका कहना है

दिव्यांगजनों को चाहिए कि वह पंचायत कर्मी के माध्यम से हमें या दिव्यांगजन केन्द्र अषोकनगर में इसकी सूचना दें। उपकरणों को हम एलिम्को जबलपुर से बदलवा देंगे या नए मंगा देंगे। हमने कुछ मामलों में ऐसा किया भी है।

आलोक प्रताप इटोरिया, सीईओ, जनपद पंचायत

पिता की पहले मौत, होनी थी युवती की शादी

बीमारी से तंग आकर 26 वर्षीय युवती ने दे दी अपनी जान, परिवार में मातम

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

चंदेरी थाना क्षेत्र के ग्राम प्राणपुर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ 26 वर्षीय युवती आरती सोनी ने फांसी के फंदे पर झूलकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। एम.ए. शिक्षित आरती पिछले लंबे समय से शारीरिक बीमारी से जूझ रही थी, जिसे उसकी आत्महत्या का प्राथमिक कारण माना जा रहा है। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार की रात परिवार के सभी सदस्यों ने करीब 11 से 12 बजे के बीच एक साथ खाना खाया और सोने चले गए। शनिवार सुबह जब आरती के छोटे भाई ने कमरे का दरवाजा खोला, तो आरती पंखे पर दुपट्टे के फंदे से लटकी हुई पाई गई। आनन-फानन में पुलिस को डायल 112 के माध्यम से सूचना दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

लंबे समय से थी बीमार

मृतिका के बड़े भाई सौरभ सोनी ने बताया कि आरती पिछले काफी समय से गंभीर दर्द और शारीरिक समस्या से परेशान थी। उसके कमर से लेकर घुटनों तक का हिस्सा सुन्न हो जाता था। ग्वालियर के अस्पताल में उसका उपचार भी चल रहा था,लेकिन स्वास्थ्य में सुधार न

होने के कारण वह मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगी थी।

शादी की चल रही थी तैयारी

परिवार के लिए यह दुख इसलिए भी बड़ा है क्योंकि इस वर्ष आरती के हाथ पीले करने की तैयारी चल रही थी। भाई ने बताया पिता राघवेंद्र सोनी की पहले ही हार्ट अटैक से मृत्यु हो चुकी है। हम दो भाई और दो बहनें हैं। हम आरती के लिए अच्छा लड़का ढूंढ रहे थे और इसी साल उसकी शादी करने की पूरी तैयारी थी। हमने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वह बीमारी से हारकर ऐसा कदम उठा लेगी। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है ताकि आत्महत्या के सटीक कारणों की पुष्टि हो सके। प्रारंभिक तौर पर मामला बीमारी से तंग आकर उठाए गए कदम का लग रहा है।

चंदेरी सिविल अस्पताल में अनदेखी से सिस्टम हुआ लाचार होकर बीमार

कागजों पर चल रही ड्यूटी, हकीकत में नदारद स्टाफ

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

जिलें में शासकीय अस्पतालों की दुर्गति हो रही है एक दिन पहले अशोकनगर जिला अस्पताल का विधायक ने जब निरीक्षण किया था एक डॉक्टर मौके पर मिला था। अब ऐसी ही स्थिति चन्देरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की सामने आई है जहां यह अस्पताल अपनी चिकित्सा सुविधाओं के लिए नहीं, बल्कि कर्मचारियों की भारी लापरवाही और मनमानी कार्यप्रणाली के कारण चर्चाओं में है। अस्पताल में स्टाफ की कमी का रोना तो पुराना है, लेकिन अब उपलब्ध स्टाफ भी नियमों को ताक पर रखकर अपनी सहूलियत के हिसाब से अस्पताल आ-जा रहा है। आलम यह है कि ड्यूटी चार्ट केवल दीवारों की शोभा बढ़ा रहे हैं, जबकि धरातल पर मरीज डॉक्टरों और नर्सों के इंतजार में तड़प रहे हैं।

अस्पताल प्रबंधन के नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं त्रों और स्थानीय लोगों का कहना है कि यहाँ कार्यरत कई नर्सें और स्टाफ सदस्य आए दिन स्वास्थ्य खराब होने का हवाला देकर ड्यूटी से गायब रहते हैं। चैंकाने वाली बात यह है कि यह बीमारी केवल ड्यूटी के समय ही याद आती है। हकीकत में यह केवल काम से बचने का एक जरिया बन चुका है, जिसके कारण अस्पताल में तैनात अन्य स्टाफ पर बोझ बढ़ता है और मरीजों को घंटों तक बिना उपचार के तड़पना पड़ता है। साथ ही जानकारी के अनुसार,अस्पताल का कुछ स्टाफ तो इस कदर बेलगाम है कि कर्मचारी अपनी साठगांठ से बिना किसी आधिकारिक सूचना के शिफ्ट बदल लेते हैं। फर्जी उपस्थिति बिना अस्पताल आए ही उपस्थिति रजिस्टर में हस्ताक्षर कर दिए जाते हैं, जिससे कागजों पर सब ऑल इज वेल नजर आता है। वीआईपी कल्चर स्टाफ अपनी मर्जी से बैग उठाते हैं और ड्यूटी छोड़कर निकल जाते हैं,जैसे यह कोई अस्पताल नहीं बल्कि उनकी निजी मिल्कियत हो।

मरीजों पर भारी पड़ रही लापरवाही स्टाफ की इस मनमानी का सबसे खौफनाक असर रात के समय देखने को मिलता है। जब आपातकालीन स्थिति में मरीज अस्पताल पहुँचते हैं, तो उन्हें घंटों तक नर्सों या डॉक्टरों का इंतजार करना पड़ता है। ड्यूटी पर तैनात स्टाफ का नदारद होना जैसा होता है तो हेल्थ इश्यू का बहाना बनाकर घर बैठने वाली सिस्टर्स की वजह से अस्पताल की पूरी व्यवस्था वेंटिलेटर पर आ गई है।

वीआईपी कल्चर तो बीमारी का बहाना, ड्यूटी से किनारा

अस्पताल प्रबंधन द्वारा नियमानुसार ड्यूटी चार्ट तैयार किया जाता है, जिसमें दिन और रात की शिफ्ट तय होती है। नियम कहता है कि यदि कोई कर्मचारी दिन में तैनात है, तो उसकी रात की ड्यूटी नहीं होगी। लेकिन चंदेरी सिविल अस्पताल में इन नियमों को ताक पर रख दिया गया है। कर्मचारी अपनी साठगांठ और सुविधा के अनुसार शिफ्ट बदल लेते हैं, जिससे पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है।

खास बातें

- स्वस्थ स्टाफ को अचानक बीमारी का दौरा कैसे पड़ता है? क्या इसकी मेडिकल जांच उच्च अधिकारियों द्वारा की जाती है?
- क्या वरिष्ठ अधिकारियों को इस फर्जी हाजिरी के खेल की जानकारी नहीं है?
- ड्यूटी चार्ट का पालन न करने वाले लापरवाह स्टाफ पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?
- मरीजों की जान से खेलने वाले इन मनमर्जी के मालिक कर्मचारियों पर लगाम कौन कसेगा?

चंदेरी सिविल अस्पताल की यह गिरती व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह लगाती है। यदि जल्द ही इस लापरवाह स्टाफ पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई और व्यवस्थाओं को पारदर्शी नहीं बनाया गया, तो अस्पताल की यह चिंता की लकीरें किसी दिन बड़ी अनहोनी का सबब बन सकती हैं। नगरवासी अब जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से इस मामले में हस्तक्षेप कर सुधार की मांग कर रहे हैं।